web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 26 अप्रैल 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 204

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

महत्वपूर्ण एवं खास

पाकिस्तान ने कबूली आतंकियों को पनाह देने की बात, बोले- हम 3 दशकों से कर रहे हैं ये गंदा काम

इस्लामाबाद । आतंकवाद के समर्थन के आरोपों का सामना कर रहे पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया है कि पाकिस्तान ने आतंकियों को पाला है। यह बयान जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकवादी हमले के बाद आया है, जिसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान जब आसिफ से पूछा गया कि क्या वह यह मानते हैं कि आतंकवादी संगठनों को फंड देने और प्रशिक्षण देने का पाकिस्तान का लंबा इतिहास रहा है, तो उन्होंने जवाब दिया, 'हम यह गंदा काम अमेरिका और ब्रिटेन सहित पश्चिम के लिए तीन दशकों से कर रहे हैं। वह गलती थी और हम इसके कारण भुगत रहे हैं।' रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि इंटरव्यू के दौरान उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा के अस्तित्व से इनकार किया और द रेजिस्टेंस फ्रंट (ञ्जक्रस्न) के बारे में जानकारी न होने की बात कही। उन्होंने कहा, 'लश्कर पुराना नाम है। यह अब नहीं है।' इस बीच, पाकिस्तान ने गुरुवार को भारत के साथ शिमला समझौते और अन्य द्विपक्षीय समझौतों को निलंबित कर दिया। इसके साथ ही सभी प्रकार के व्यापार पर रोक लगा दी गई और भारतीय एयरलाइन के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया। पाकिस्तान ने यह भी कहा कि सिंधु जल संधि के तहत उसके हिस्से के पानी के प्रवाह को रोकने या मोडऩे का कोई भी प्रयास युद्ध के समान माना जाएगा।

थाईलैंड : पुलिस विमान समुद्र में गिरा, छह लोगों की मौत

बैंकॉक । थाईलैंड के हुआ हिन रिसॉर्ट शहर में शुक्रवार सुबह पुलिस विमान क्रैश हो गया। हादसे में छह लोगों की जान चली गई। थाई राष्ट्रीय पुलिस ने अपने सोशल मीडिया पेज पर बताया कि पुलिस विमानन विभाग का विमान हुआ हिन हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद फेत्चाबुरी प्रांत के चा-आम जिले के पास समुद्र में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी छह लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई, जब विमान पैराशूट प्रशिक्षण के लिए उड़ान भर रहा था। विमान में सवार सभी छह लोग पुलिस अधिकारी थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और एक ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। वीडियो फुटेज में दिख रहा है कि विमान समुद्र में गिर रहा था। शुरुआती जांच में पता चला है कि उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद प्लेन के इंजन में खराबी आ गई। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जाएगी। फेत्चाबुरी प्रांत के पुलिस आपातकालीन केंद्र ने बताया कि उन्हें सुबह करीब 8:15 बजे एक स्थानीय रिसॉर्ट के पास समुद्र में विमान गिरने की सूचना मिली। रॉयल थाई पुलिस के प्रवक्ता पोल लेफ्टिनेंट जनरल अर्चायोन क्रैथोंग ने कहा कि यह घटना हुआ हिन में पैराशूट प्रशिक्षण अभ्यास की तैयारी के लिए की जा रही परीक्षण उड़ान के दौरान हुई।

जलवायु संकट, लिंग-आधारित हिंसा मामलों में उछाल की बड़ी वजह : यूएन रिपोर्ट

न्यूयॉर्क । जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते सामाजिक व आर्थिक दबाव, महिलाओं व लड़कियों के विरुद्ध हिंसा मामलों में दर्ज किए जा रहे उछाल की वजह बन रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र की 'स्पॉटलाइट पहल' द्वारा प्रकाशित एक नए अध्ययन में यह चेतावनी जारी की गई है, जिसके अनुसार इस सदी के अन्त तक, महिलाओं के अंतरंग साथी द्वारा की जाने वाले हिंसा के हर 10 मामलों में से एक, जलवायु परिवर्तन से जुड़ा हो सकता है. रिपोर्ट बताती है कि चरम मौसम, विस्थापन, खाद्य असुरक्षा और आर्थिक अस्थिरता समेत अन्य कारक लिंग-आधारित हिंसा की गम्भीरता और उसमें उछाल के लिए ज़िम्मेदार हैं.नाज़ुक हालात से जूझ रहे समुदायों पर इसका गहरा असर होता है, जहाँ महिलाएँ पहले से ही विषमताओं का सामना करने की वजह से हिंसा का शिकार बनने का जोखिम झेलती हैं.अध्ययन के अनुसार, वैश्विक तापमान में 1डिग्री की वृद्धि से, अंतरंग साथी हिंसा मामलों में 4.7 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी नज़र आ सकती है.2डिग्री तापमान बढऩे की स्थिति में, वर्ष 2090 तक क़रीब चार करोड़ लड़कियाँ व महिलाएँ, अंतरंग साथी द्वारा हिंसा मामलों की शिकार बन सकती हैं, जबकि 3.5डिग्री तापमान वृद्धि से यह आँकड़ा दोगुना हो सकता है.

बागपत में अवैध हथियार फैक्ट्री का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार, 39 हथियार और उपकरण बरामद

बागपत । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए अवैध हथियारों की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। शहर कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग एक बंद पड़े ईंट भट्टे में अवैध तरीके से हथियार तैयार कर रहे थे, जिन्हें आसपास के इलाकों में बेचकर मुनाफा कमा रहे थे। छापेमारी का ऑपरेशन: भट्टे में चल रहा था 'मौत का कारखाना'

एसपी सूरज कुमार राय ने प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि पुलिस को चामरावल रोड स्थित बंद पड़े भट्टे पर अवैध हथियारों के निर्माण की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की, जहां पर एक गुप्त फैक्ट्री में हथियार बनाए जा रहे थे।

गिरफ्तार अभियुक्त और उनकी पहचान :- सोहेल पुत्र मेहरबान – ग्राम पांची, जनपद बागपत, सिद्धार्थ उर्फ विष्ट पुत्र लोकेंद्र – राजपुर खानपुर, जनपद बागपत, अंकुर पुत्र देवेंद्र – हिलवाड़ी, जनपद बागपत, अनुज पुत्र विजेंद्र – बडौली, जनपद बागपत, सुनील पुत्र जयप्रकाश – तितरोदा, जनपद बागपत।

इन सभी ने मिलकर एक संगठित गिरोह की तरह इस फैक्ट्री को संचालित किया और मांग के अनुसार अवैध तमंचे और पिस्टल बनाकर बेचते थे।

बरामद हथियार और उपकरण :- 17 अवैध तमंचे (315 बोर), 2 अवैध तमंचे (12 बोर), 1 अवैध पिस्तौल (32 बोर), 19 अधबने तमंचे, 2 जिंदा कारतूस, हथियार बनाने के उपकरण, 2 गैस सिलेंडर, इमरजेंसी लाइट और अन्य सामग्री।

जांच में चौंकाने वाले खुलासे : पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे लंबे समय से यह धंधा कर रहे थे। अवैध शस्त्र की मांग जैसे-जैसे बढ़ती थी, ये लोग उसी अनुसार मशीनों और उपकरणों की मदद से हथियार तैयार करते और उन्हें बेचते थे। गिरोह अभ्यस्त और बेहद संगठित था, जो मुनाफा बराबर बांटकर पूरे सिस्टम को चला रहा था।

एसपी सूरज कुमार राय की अगुवाई

में बड़ी सफलता- एसपी राय ने कहा कि ये एक सुनियोजित नेटवर्क का हिस्सा है और इनके संपर्क किसी आपराधिक संगठन या गिरोह से भी हो सकते हैं। मामले की गहराई से जांच जारी है और आगे और गिरफ्तारियों की संभावना है।

उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यवाही से अपराध पर अंकुश लगाने में बड़ी मदद मिलेगी, क्योंकि ये हथियार अक्सर डकैती, लूट और हत्या जैसे अपराधों में इस्तेमाल किए जाते हैं।

पुलिस टीम को 10,000 का इनाम- एसपी ने छापेमारी और गिरफ्तारी में शामिल पुलिस टीम को ?10,000 का नकद इनाम देकर पुरस्कृत किया। साथ ही, ऐसे अवैध हथियार गिरोहों के खिलाफ लगातार अभियान चलाने के निर्देश भी दिए हैं।

पहलगाम हमले के संदिग्ध आतंकी आदिल के घर में ब्लास्ट, दूसरे आतंकी के मकान पर चला बुलडोजर

पहलगाम (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शामिल आतंकी आसिफ शेख के घर विस्फोट होने की खबर सामने आई है। जबकि दूसरे संदिग्ध के घर को बुलडोर से गिराया गया है।

दक्षिण कश्मीर के गुरी के एक गांव में सुरक्षा बलों ने चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान हुए विस्फोट से एक घर को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों को कुछ संदिग्ध वस्तुएं दिखाई दीं। खतरे को भांपते हुए सुरक्षा बलों ने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पीछे हट गए। हालांकि, पीछे हटने के कुछ ही देर बाद एक शक्तिशाली विस्फोट हुआ, जिससे घर को भारी नुकसान पहुंचा। बताया जा रहा है कि यह घर पहलगाम हमले में शामिल आतंकी आदिल का था। वहीं, दक्षिण कश्मीर के त्राल में पहलगाम आतंकी हमले से जुड़े लश्कर आतंकी आसिफ शेख का घर ध्वस्त कर दिया गया। घर को जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बुलडोजर से गिराया है। इससे इस बात का संदेह हो रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले की साजिश लंबे समय से रची जा रही थी। सुरक्षा बलों को आशंका है कि मौके पर और विस्फोटक सामग्री हो सकती है, इसलिए पूरे क्षेत्र को सील कर तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में तोड़ी जा रही आतंकियों की कमर, सेना ने मार गिराया लश्कर का बड़ा कमांडर

नई दिल्ली ,25 अप्रैल(आरएनएस)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना एक्शन मोड में है। इस बीच सेना ने बंदीपोरा में बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अल्ताफ लल्ली को मुठभेड़ में मार गिराया है।

पहलगाम में हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों का स्कैच भी जारी किया गया है। पहलगाम अटैक की जिम्मेदारी भी लश्कर से जुड़े द रेजिस्टेंस फोर्स ने ली थी। बुधवार को आतंकवादियों ने 26 मासूम पर्यटकों को गोलियों से भून दिया था। 22 अप्रैल को हुए नरसंहार के बाद से ही घाटी में भारतीय सेना ने अभियान तेज कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुक्रवार को आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना सेना को मिली थी। इसके बाद जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर साझा तलाशी अभियान चलाया गया। लोकेशन का पता लगने के बाद आतंकियों के साथ लंबी मुठभेड़ भी हुई।

नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया गिरफ्तार, 3 लाख रुपए का था इनाम

पटना । आरएनएस

नीट पेपर लीक मामले में बिहार पुलिस को शुक्रवार को बड़ी कामयाबी मिली। एसटीएफ और ईओयू की टीम ने मास्टरमाइंड संजीव मुखिया को गिरफ्तार कर लिया। पेपर लीक के बाद से ही वह फरार चल रहा था।

संजीव मुखिया पर 3 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वह पटना के सगुना मोड़ इलाके स्थित एक अपार्टमेंट में छिपा हुआ था। ईओयू के एडीजी नैय्यर हसनैन खान ने गिरफ्तारी की पुष्टि की।

गिरफ्तारी के बाद संजीव मुखिया को कोर्ट में पेश किया जाएगा। इसके बाद एसटीएफ और ईओयू उसे रिमांड पर लेने की कोशिश करेगी। इसके बाद आरोपी से पूछताछ होगी।

जानकारी के अनुसार, संजीव मुखिया नीट में धांधली कराने वाले गिरोह का मुख्य संचालक है। लंबे समय से एसटीएफ और ईओयू की टीम को उसकी तलाश थी। संजीव मुखिया की गिरफ्तारी के बाद पूरे गिरोह का भंडाफोड़ और कई अहम खुलासे होने की संभावना है। संजीव मुखिया बिहार के नालंदा जिले का रहने वाला है।

पटना सिविल कोर्ट ने जनवरी में ही संजीव की गिरफ्तारी का वारंट जारी किया था। अदालत ने कहा था कि अगर एक महीने में उसकी गिरफ्तारी नहीं होती है या फिर वह खुद कोर्ट में पेश नहीं होता है तो उसकी संपत्ति कुर्क की कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद ईओयू के अधिकारी लगातार उसकी तलाश में जुटे हुए थे।

नीट पेपर लीक से पहले 2016 में संजीव मुखिया का नाम बीपीएससी, सिपाही भर्ती समेत अन्य परीक्षाओं के पेपर लीक में भी आया था और वह जेल भी गया था। संजीव मुखिया के बेटे डॉ. शिव पर भी परीक्षा प्रणाली में धांधली करने का आरोप है। संजीव मुखिया का पुत्र डॉ. शिव इस वक्त सिपाही भर्ती पेपर लीक मामले में जेल में है।

संजीव मुखिया ने अपनी पत्नी ममता कुमारी को हरनौत विधानसभा से जेडीयू के खिलाफ लोक जनशक्ति पार्टी के टिकट पर चुनाव भी लड़वाया था। हालांकि, उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

पीएनबी बैंक से फ्रॉड करने वालों पर ईडी रेड, राजस्थान में 10 ठिकानों पर छापेमारी, 25 करोड़ का फर्जीवाड़ा उजागर

जयपुर । आरएनएस

प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार सुबह पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े 25 करोड़ रुपये के फ्रॉड मामले में बड़ी कार्रवाई की। जयपुर, बीकानेर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर सहित राजस्थान के 10 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई। यह कार्रवाई श्रीगंगानगर निवासी अमनदीप चौधरी और उसके साथियों के खिलाफ की जा रही है, जिन पर बैंक से धोखाधड़ी कर लोन लेने और फिर उस धन का दुरुपयोग करने का आरोप है।

ईडी सूत्रों के अनुसार अमनदीप चौधरी ने एक वेयरहाउस में रखे माल को गिरवी रखकर क्कहक्च से 25 करोड़ रुपए का लोन लिया। लेकिन बाद में उसने बैंक को बिना जानकारी दिए वह माल बाजार में बेच दिया। इस फर्जीवाड़े में अमनदीप की पत्नी सुनीता चौधरी और एक अन्य आरोपी ओम प्रकाश भी शामिल हैं। आरोप है कि इन सभी ने मिलकर बैंक को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची और लोन की राशि का गलत इस्तेमाल किया।

इस मामले की वर्ष 2020 में एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा जोधपुर में दर्ज की गई थी। ईडी ने अब इस मामले को मनी लॉन्ड्रिंग की धारा के तहत जांच में लिया है। शुक्रवार को जयपुर में तीन, बीकानेर में दो और हनुमानगढ़ व श्रीगंगानगर में कुल पांच ठिकानों पर एक साथ रेड की गई।

छापेमारी के दौरान ईडी की टीमों ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, बैंक रिकॉर्ड, डिजिटल उपकरण और संपत्तियों से संबंधित कागजात बरामद किए हैं। जांच एजेंसी अब इन सभी दस्तावेजों का विश्लेषण कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि फ्रॉड से प्राप्त धनराशि का कहां और कैसे इस्तेमाल किया गया। फिलहाल ईडी की जांच जारी है और एजेंसी की ओर से यह संकेत दिए गए हैं कि आने वाले दिनों में इस मामले में पूछताछ और संभवत: गिरफ्तारियों की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। ईडी की यह कार्रवाई बैंकिंग फ्रॉड के मामलों में लगातार हो रही सख्ती को दर्शाती है।

PNB बैंक पहले भी बड़े घोटालों की वजह से सुर्खियों में रहा है और अब राजस्थान में सामने आया यह मामला फिर से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। ईडी की जांच रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई तय होगी।

अपने राज्यों में पाक नागरिकों की पहचान कर उन्हें वापस भेजें, अमित शाह का सभी मुख्यमंत्रियों को निर्देश

नई दिल्ली । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल (2025) को हुए दर्दनाक आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ अभूतपूर्व कड़े कदम उठाए हैं। इस हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी और 17 लोग घायल हुए थे। जवाबी कार्रवाई करते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान से संबंधित सभी वीज़ा तत्काल प्रभाव से रद्द करने के निर्देश जारी किए हैं। साथ ही, दशकों पुरानी सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर भी बंद करने का फैसला लिया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक के बाद पाकिस्तान से जुड़े सभी

वीज़ा रद्द करने का अहम फैसला लिया है। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। श्री शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी संपर्क साधा है और उनसे अपने-अपने राज्यों में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को जल्द से जल्द हटाने के लिए कहा है।

इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े फैसले लिए गए थे। इनमें सबसे महत्वपूर्ण 1960 से लागू सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का निर्णय है। भारत ने इस बाबत पाकिस्तान को औपचारिक पत्र भेजकर संधि को निलंबित करने की सूचना दे दी है। गौरतलब है कि सिंधु नदी प्रणाली पाकिस्तान के लिए जीवन रेखा मानी जाती है और उसकी करोड़ों की आबादी पानी की जरूरतों के लिए इसी पर निर्भर है।

सरकार ने अटारी बॉर्डर को भी बंद करने का फैसला किया है। भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान लौटने के लिए 1 मई (2025) तक का समय दिया गया है। इसके अलावा, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में तैनात पाकिस्तानी रक्षा सलाहकारों को एक सप्ताह के भीतर भारत छोडऩे का आदेश दिया गया है। साथ ही, आपसी सहमति से दोनों देशों के उच्चायोगों में कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या को 50 से घटाकर 30 कर दिया गया है।

ये सभी कदम पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के सीधे जवाब के तौर पर देखे जा रहे हैं, जिसने पूरे देश में शोक और आक्रोश की लहर पैदा कर दी थी। सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ. कस्तूरीरंगन का बेंगलुरु में निधन, 84 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

बेंगलुरु । आरएनएस

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. कृष्णस्वामी कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलुरु में निधन हो गया। उन्होंने 84 वर्ष की आयु में बेंगलुरु स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि उनका निधन सुबह करीब 10 बजे हुआ। रविवार को अंतिम संस्कार किए जाने से पहले, डॉ. कस्तूरीरंगन के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट में रखा जाएगा।

डॉ. कस्तूरीरंगन इसरो के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले अध्यक्षों में से एक रहे। उन्होंने 10 वर्षों तक इसरो प्रमुख का पद संभाला। इसरो में अपने कार्यकाल के अलावा, डॉ. कस्तूरीरंगन ने सरकारी नीतियों के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उन्होंने 27 अगस्त, 2003

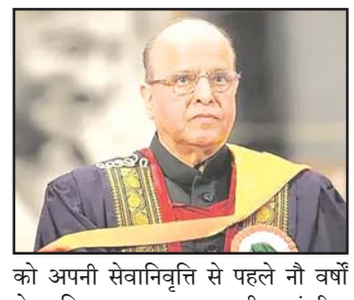

को अपनी सेवानिवृत्ति से पहले नौ वर्षों से अधिक समय तक भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष, अंतरिक्ष आयोग के सदस्य और अंतरिक्ष विभाग में भारत सरकार के सचिव के रूप में कार्य किया।

डॉ. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में, इसरो ने कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए, जिनमें भारत के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) का सफल प्रक्षेपण और संचालन शामिल है।

पहलगाम हमला : ब्रिटिश पीएम ने प्रधानमंत्री मोदी को किया फोन, कहा- भारत के लोगों के साथ खड़ा है यूके

नई दिल्ली । आरएनएस

पहलगाम आतंकी हमले की दुनियाभर में कड़ी निंदा हो रही है। विश्व के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर न सिर्फ हमले की निंदा कर रहे हैं बल्कि भारत के लिए अपना समर्थन भी जता रहे हैं। शुक्रवार को ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक स्कोफ ने पीएम मोदी से बात की।

विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और

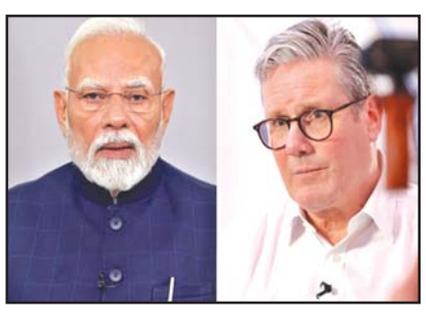

भारतीय धरती पर हुए जघन्य आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस बर्बर आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि ब्रिटेन इस दुखद घड़ी में भारत के लोगों के साथ खड़ा है।

एक अन्य पोस्ट में विदेश मंत्रालय ने बताया, नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक स्कोफ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और भारत के पहलगाम में हुए दुखद व अमानवीय सीमा पार आतंकी हमले पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कायरतापूर्ण कृत्य की कड़ी निंदा की और आतंकवाद के सभी रूपों व अभिव्यक्तियों को खारिज किया।

पोस्ट में कहा गया, प्रधानमंत्री मोदी ने समर्थन और एकजुटता के लिए पीएम स्कोफ को धन्यवाद दिया और कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने के लिए नीदरलैंड के साथ मिलकर काम करने को तत्पर है।

इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को ही जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की और कहा कि दुख की इस घड़ी में फ्रांस भारत और उसके लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने लिखा, मैंने मंगलवार को हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले के बारे में अपने समकक्ष नरेंद्र मोदी से बात की, हमले में दर्जनों निर्दोष नागरिकों की दुखद मौत हो गई। दुख की इस घड़ी में फ्रांस भारत और उसके लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। फ्रांस अपने सहयोगियों के साथ मिलकर जहां भी जरूरी होगा, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगा।

बता दें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इस मुद्दे पर पीएम मोदी से बात कर चुके हैं। दोनों ने इस जघन्य अपराध की निंदा की और भारत के प्रति अपना समर्थन जाहिर किया।

आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल - पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर अंधाधुंध गोलियां चला दी थीं। हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मारे गए लोगों में एक नेपाली पर्यटक भी शामिल है।